



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 104-2021/Ext.] CHANDIGARH, THURSDAY, JULY 1, 2021 (ASADHA 10, 1943 SAKA)

हरियाणा सरकार
आबकारी तथा कराधान विभाग
अधिसूचना

दिनांक 1 जुलाई, 2021

संख्या 34/जीएसटी-2— हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19) की धारा 148 के साथ पठित धारा 128 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, परिषद् की सिफारिशों पर, इसके द्वारा, हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 12/जीएसटी-2, दिनांक प्रथम जनवरी, 2019, में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात्:—

संशोधन

हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 12/जीएसटी-2, दिनांक प्रथम जनवरी, 2019, में,—

- (i) आठवें परंतुक में, विद्यमान सारणी के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी प्रतिस्थापित की जाएगी तथा मई, 2021 के 20वें दिन से प्रभावी हुई समझी जाएगी, अर्थात्: —

सारणी

क्रम संख्या (1)	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों का वर्ग (2)	कर अवधि (3)	सीमा जिसके लिये विलंब फीस अधित्यक्त किया गया (4)
1	करदाता जिसका पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कुल आवर्त 5 करोड़ रुपये से अधिक हो	मार्च, 2021, अप्रैल, 2021 और मई, 2021	विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि से पंद्रह दिन
2	करदाता जिसका पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कुल आवर्त 5 करोड़ रुपये तक हो, जो धारा 39 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी प्रस्तुत करने के लिये उत्तरदायी हैं	मार्च, 2021	विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि से साठ दिन
		अप्रैल, 2021	विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि से पैंतालीस दिन
		मई, 2021	विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि से तीस दिन
3	करदाता जिसका पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कुल आवर्त 5 करोड़ रुपये तक हो, जो धारा 39 की उपधारा (1) के परंतुक के अधीन विवरणी प्रस्तुत करने के लिये उत्तरदायी हैं	जनवरी, — मार्च, 2021	विवरणी प्रस्तुत करने की नियत तिथि से साठ दिन।

(ii) आठवे परंतुक के बाद निम्नलिखित परंतुक रखे जाएंगे, अर्थात्: —

“परंतु यह और कि उन रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के लिए, जिन्होंने नियत तिथि तक मास/ तिमाही जुलाई, 2017 से अप्रैल, 2021 तक के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख में विवरणी प्रस्तुत करने में असफल रहते हैं लेकिन उक्त विवरणी को प्रथम जून, 2021 से 31 अगस्त, 2021 की अवधि के दौरान प्रस्तुत करते हैं, उक्त अधिनियम की धारा 47 के प्रावधानों के अधीन देय विलंब फीस रुपये पांच सौ से अधिक अधित्यजित किया जाता है:

परंतु यह और कि यदि उक्त विवरणी में भुगतानयोग्य राज्य कर की राशि शून्य है, तो उक्त अधिनियम की धारा 47 के प्रावधानों के अधीन देय विलंब फीस रुपये दो सौ पचास से अधिक को उन रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के लिए अधित्यक्त किया जाता है जिन्होंने नियत तिथि तक मास/तिमाही जुलाई, 2017 से अप्रैल, 2021 तक के लिए प्ररूप जीएसटीआर-3ख में विवरणी प्रस्तुत करने में असफल रहते हैं लेकिन उक्त विवरणी को प्रथम जून, 2021 से 31 अगस्त, 2021 की अवधि के दौरान प्रस्तुत करते हैं:

परंतु यह और कि उन रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों के वर्ग के लिए जो की निम्न सारणी के खाना (2) में निर्दिष्ट किये गए हैं, जो नियत तिथि तक प्ररूप जीएसटीआर-3ख में विवरणी प्रस्तुत करने में असफल रहते हैं, उक्त अधिनियम की धारा 47 के प्रावधानों के अधीन जून, 2021 की कर अवधि से या जून, 2021 को समाप्त तिमाही की कर अवधि से, जैसी भी स्थिति हो, देय विलंब फीस, जो की निम्नलिखित सारणी के खाना (3) में निर्दिष्ट की गई राशि से अधिक है, अधित्यक्त किया जाता है, अर्थात्: —

क्रम संख्या (1)	रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों का वर्ग (2)	राशि (3)
1	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जिनकी उक्त विवरणी में भुगतानयोग्य राज्य कर की राशि शून्य है	रुपये दो सौ पचास
2	रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति जिनका पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कुल आवर्त 1.5 करोड़ रुपये तक हो, जो क्रम संख्या (1) में सम्मिलित हो से अन्यथा	रुपये एक हजार
3	करदाता जिसका पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कुल आवर्त 1.5 करोड़ से अधिक हो और 5 करोड़ से कम हो, जो क्रम संख्या (1) में सम्मिलित हो से अन्यथा	रुपये दो हजार पांच सौ”।

अनुराग रस्तोगी,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
आबकारी तथा कराधान विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

Notification

The 1st July, 2021

No. 34/GST-2.— In exercise of the powers conferred by Section 128 of the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 (19 of 2017), the Governor of Haryana, on the recommendations of the Council, hereby makes the following amendment in Haryana Government, Excise and Taxation Department, notification No. 12/GST-2, dated the 1st January, 2019, namely:—

Amendment

In Haryana Government, Excise and Taxation Department, notification No. 12/GST-2, dated the 1st January, 2019, -

- (i) in the eighth proviso, for the existing Table, the following Table shall be substituted and deemed to have been substituted with effect from the 20th day of May, 2021, namely:—

“Table

Serial number (1)	Class of registered persons (2)	Tax period (3)	Period for which late fee waived (4)
1.	Taxpayers having an aggregate turnover of more than rupees 5 crores in the preceding financial year	March, 2021, April, 2021 and May, 2021	Fifteen days from the due date of furnishing return

2.	Taxpayers having an aggregate turnover of up to rupees 5 crores in the preceding financial year who are liable to furnish the return as specified under sub-section (1) of section 39	March, 2021	Sixty days from the due date of furnishing return
		April, 2021	Forty-five days from the due date of furnishing return
		May, 2021	Thirty days from the due date of furnishing return
3.	Taxpayers having an aggregate turnover of up to rupees 5 crores in the preceding financial year who are liable to furnish the return as specified under proviso to sub-section (1) of section 39	January-March, 2021	Sixty days from the due date of furnishing return.”;

(ii) after the eighth proviso, the following provisos shall be inserted, namely:—

“Provided further that for the registered persons who failed to furnish the return in **FORM GSTR-3B** for the months/quarter of July, 2017 to April, 2021, by the due date but furnish the said return between the period from the 1st day of June, 2021 to the 31st day of August, 2021, the total amount of late fee under section 47 of the said Act, shall stand waived which is in excess of five hundred rupees:

Provided further that where the total amount of state tax payable in the said return is nil, the total amount of late fee under section 47 of the said Act shall stand waived which is in excess of two hundred and fifty rupees for the registered persons who failed to furnish the return in **FORM GSTR-3B** for the months / quarter of July, 2017 to April, 2021, by the due date but furnish the said return between the period from the 1st day of June, 2021 to the 31st day of August, 2021:

Provided further that the total amount of late fee payable under section 47 of the said Act for the tax period June, 2021 onwards or quarter ending June, 2021 onwards, as the case may be, shall stand waived which is in excess of an amount as specified in column (3) of the Table given below, for the class of registered persons mentioned in the corresponding entry in column (2) of the said Table, who fail to furnish the returns in **FORM GSTR-3B** by the due date, namely:—

Table

Serial number (1)	Class of registered persons (2)	Amount (3)
1.	Registered persons whose total amount of state tax payable in the said return is nil	Two hundred and fifty rupees
2.	Registered persons having an aggregate turnover of up to rupees 1.5 crores in the preceding financial year, other than those covered under Serial Number 1	One thousand rupees
3.	Taxpayers having an aggregate turnover of more than rupees 1.5 crores and up to rupees 5 crores in the preceding financial year, other than those covered under Serial Number 1	Two thousand and five hundred rupees”.

ANURAG RASTOGI,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Excise and Taxation Department.